सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–214
11/03/2017

पटना में अमर शहीद जुब्बा सहनी के नाम पर का पार्क का होगा नामांकरण :– मुख्यमंत्री

पटना, 11 मार्च 2017 :– अमर शहीद जुब्बा सहनी की 73वीं शहादत दिवस के अवसर पर रविन्द्र भवन में आयोजित कार्यक्रम का मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने शहीद जुब्बा सहनी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि शहीद जुब्बा सहनी की स्मृति में आयोजित इस कार्यक्रम में हम सब यहॉ शहीद जुब्बा सहनी की शहादत को याद करने एवं उनके प्रति आदर प्रकट करने के लिये उपस्थित हुये हैं। उन्होंने कहा कि जुब्बा सहनी कम उम्र में ही आजादी की लड़ाई के तरफ आकर्षित हुये थे। उनमें आत्मसम्मान का आभास था। उनके जीवन का उदाहरण देते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने कभी भी अंग्रेजों के अत्याचार को बर्दाश्त नहीं किया। उन्होंने आजादी की लड़ाई के अनेक कार्यक्रमों में भाग लिया। 1942 के भारत छोड़ो आन्दोलन में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि 1942 में भारत छोड़ो आन्दोलन के दौरान मीनापुर थाना के दारोगा वॉलर हुआ करते थे। मीनापुर थाना के समक्ष गोली लगने से एक व्यक्ति की मृत्यु होने पर प्रदर्शन किया जा रहा था। जुब्बा सहनी के नेतृत्व में लोग थाना के चारो तरफ जमा हो गये। लोगों द्वारा थाना को घेर लिया गया तथा थाना के फर्निचर के साथ–साथ थाना में आग लगा दी गयी। दारोगा वॉलर का हथियार भी छिन लिया गया तथा दारोगा वॉलर को बॉधकर आग के हवाले कर दिया गया। इस घटना के बाद अंग्रेजों द्वारा लोगों पर काफी अत्याचार किया गया। इस घटना के लिये बहुत सारे लोगों पर मुकदमा चला परंतु जुब्बा सहनी गिरफ्तार नहीं किये जा सके। जुब्बा सहनी ने स्वयं कोर्ट में उपस्थित होकर हाजिरी दी तथा कहा कि मैंने ही दारोगा वॉलर को जलाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शहीद जुब्बा सहनी विचार से गॉधीवादी थे। उन्होंने जो किया, उसे स्वीकार किया। उन्होंने सच्ची बात कबूल की। उन पर मुकदमा चला तथा उन्हें फॉसी पर चढ़ा दिया गया। 11 मार्च को ही उनको फॉसी दी गयी थी। पहले भी शहीद जुब्बा सहनी को पुलिस द्वारा प्रताड़ित किया गया था। एक बार जवाहरलाल नेहरू जी उनसे मिले थे और कहा था कि आपके साथ पूरा देश खड़ा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सभी को ऐसे लोगों से सीखना चाहिये। हमें आजादी मिली है, यह ऐसे ही नहीं मिली है। इसके लिये अनेक शहीद हुये, अनेक ने जेल की यात्रा की। लोगों ने कुर्बानियॉ दी, यात्नायें सही, तब जाकर हमें आजादी मिली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आजादी की लड़ाई के दो मुख्य मूल्य थे– न्याय और सम्मान का। इससे कभी समझौता नहीं करना चाहिये। हम सभी को जुब्बा सहनी से सीख लेनी चाहिये। यह बिहार के लिये गौरव की बात

है। मैं जुब्बा सहनी के शहादत दिवस पर कार्यक्रम के आयोजन के लिये आयोजकों को धन्यवाद देता हूँ।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह वर्ष बापू के चम्पारण सत्याग्रह का सौंवा साल है। 10 अप्रैल से चम्पारण सत्याग्रह की याद में कई कार्यक्रमों को आयोजित किया जायेगा। 10–11 अप्रैल को गॉधी विचार पर राष्ट्रीय विमर्श होगा। 15 अप्रैल के बाद से चम्पारण क्षेत्र में पदयात्रा का भी आयोजन किया जायेगा। 17 अप्रैल को पटना में देश भर के स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मानित किया जायेगा। उन्होंने कहा कि हम एक–एक युवा को आजादी की लड़ाई के बारे में पूरी जानकारी देंगे, गॉधी जी के विचारधारा के बारे में भी लोगों को पूरी जानकारी देंगे। उन्होंने कहा कि गॉधी जी के विचारधारा से संबंधित कहानियों का चयन किया जा रहा है। प्रतिदिन स्कूल में कहानी सुनाई जायेगी। नई पीढ़ी को उनके विचारधारा से अवगत करायेंगे। उन्होंने कहा कि हम हर घर में दस्तक देंगे, गॉधीजी के विचारधारा से लोगों को अवगत करायेंगे। गॉधी जी पर बनाई जा रही फिल्म को हर गॉव में दिखायेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार की धरती पर अनेक महापुरूषों ने जन्म लिया है। साढ़े तीन सौ साल पहले इसी बिहार की धरती पर गुरू गोविंद सिंह जी का जन्म हुआ था। इस वर्ष गुरू गोविंद सिंह जी के 350वें प्रकाश पर्व का आयोजन किया गया। लाखों की संख्या में देश–विदेश से सिख श्रद्धालू आये। श्रद्धालुओं का लोगों ने काफी स्वागत किया। साथ ही इस अवसर पर जितना बेहतरीन इंतजाम किया गया था, उसका सभी ने बड़ाई किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2015 में राज्य सरकार की तरफ से निषाद समाज के सभी सहजातियों को एक साथ करते हुये उनको अनुसूचित जनजाति में शामिल करने हेतु केन्द्र को अनुशंसा भेजी गयी थी। भारत सरकार ने इस पर सर्व कराने के लिये कहा है। ए0एन0 सिन्हा इन्स्टीच्यूट को सर्वे करने की जिम्मेवारी दी गयी है। संस्थान द्वारा सर्वे किया जा रहा है। संस्थान को जल्द से जल्द सर्वे का कार्य पूरा करने के लिये कहा गया है। उन्होंने कहा कि हम अपना काम पूरी प्रतिबद्धता से करते हैं। हम जो कहते हैं, उसे करते हैं। 2015 में महिलाओं की आवाज पर शराबबंदी लागू किया। उस पर लगे रहते हैं। 21 जनवरी 2017 को शराबबंदी एवं नशामुक्ति के लिये मानव श्रृंखला बनायी गयी। इसमें चार करोड़ लोगों की भागीदारी हुयी। लोगों में शराबबंदी एवं नशामुक्ति के विरूद्ध इतनी जागृति आयी है। उन्होंने कहा कि दो नंबर के कारोबार करने वालों को खत्म करने के लिये जोर लगाये रखना है। उन पर नजर रखना है। पूर्णिया का उदाहरण देते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्णिया का एक गॉव था, जहॉ सब लोग शराब के धंधे से जुड़े हुये थे। सबको गाय खरीदवाया गया। आज सभी शराब के धंधे को छोड़कर दूध का कारोबार करने लगे हैं। ताड़ी के संदर्भ में मुख्यमंत्री ने कहा कि ताड़ के रस से नीरा भी बनता है, जो काफी उपयोगी होता है। नीरा को सूर्योदय से पहले उतार लिया जाना चाहिये। उन्होंने कहा कि नीरा से गुड़ भी बनता है, जिसे डायबिटिज से ग्रसित लोग भी खा सकते हैं। राजगीर में हुये मंत्रिमण्डल की बैठक का उदाहरण देते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि बैठक में पेड़ा खिलाया गया, जिसमें नीरा के गुड़ का प्रयोग हुआ था। खाने में पेड़ा काफी स्वादिष्ट था। उन्होंने कहा कि हम शराबबंदी, नशामुक्ति चाहते हैं। हम

किसी को रोजगार से हटाना नहीं चाहते बल्कि उसके रोजगार को और बेहतर करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि शराबबंदी से लोगों के कमाई का पैसा अब बच रहा है, जिससे परिवार की हालत सही हो रही है। उन्होंने कहा कि शराबबंदी के बाद आज सभी जगह शांति है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे दिमाग में बहुत दिनों से शराबबंदी की बात चल रही थी। पहले शंका रहता था परंतु 9 जुलाई 2015 को जब चार से पॉच महिलाओं ने शराबबंदी के लिये आवाज लगायी तो हमारे मन का सभी द्वंद मिट गया और हमने शराबबंदी लागू करने की घोषणा कर दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ दिन पहले अमर शहीद जुब्बा सहनी से संबंधित समाचार अखबार में पढ़ा कि शहीद सहनी के वंशज भूखे रहने को मजबूर हैं। हमने तुरंत कार्रवाई करने को कहा। शहीद जुब्बा सहनी के वंशज मुनिया देवी को डॉक्टर द्वारा देखा जा रहा है। वे पी0एम0सी0एच0 के आई0सी0यू0 में भर्ती हैं। हमने जिलाधिकारी से कहा है कि शहीद जुब्बा सहनी के परिवार के बारे में पूरी जानकारी लें। अगर परिवार का कोई सदस्य अभाव में होगा तो सरकार उसको दूर करने का पूरा प्रयास करेगी। जो भी संभव हो सकेगा, हम सहयोग करेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि पटना में एक पार्क का नामांकरण शहीद जुब्बा सहनी के नाम पर किया जायेगा। साथ ही उस पार्क में शहीद जुब्बा सहनी की मूर्ति लगेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पार्क बनाने एवं प्रतिमा लगाने का हमारा मुख्य मकसद होता है कि आने वाली पीढ़ी ऐसे महान स्वतंत्रता सेनानी के बारे में जानें, समझे और देश के लिये बलिदान करने के लिये उसके मन में भी भावना पैदा हो और देश को आगे बढ़ाने में वे अपनी भूमिका निभाये।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री द्वारा डॉ0 हरिश्चंद्र साहनी की पुस्तक 'दलित साहित्य के चार स्तंभ' का विमोचन किया गया। साथ ही एक सी0डी0 का भी लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री को मछली का प्रतीक चिह्न भेंट किया गया।

आयोजित कार्यक्रम को वित मंत्री श्री अब्दुलबारी सिद्दीकी, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री मदन सहनी, सहकारिता मंत्री श्री आलोक मेहता सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर विधायक श्री विद्यासागर सिंह निषाद, विधान पार्षद श्री ललन सर्राफ, पूर्व विधायक श्री विश्वनाथ जी, श्री रामचन्द्र निषाद सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

******